



---

.. vindhyeshvarIstotram ..

॥ विन्ध्येश्वरीस्तोत्रम् ॥

Sanskrit Document Information



---

Text title : vindhyeshvarIstotram

File name : vindhyeshvarIstotra.itx

Category : devii, pArvatI, stotra

Location : doc\_devii

Author : Traditional

Transliterated by : WebD

Proofread by : Ravin Bhalekar ravibhalekar at hotmail.com

Latest update : June 15, 2004

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

September 11, 2017

*sanskritdocuments.org*

---

---

श्रीगणेशाय नमः ।  
निशुम्भशुम्भमार्दिनीं प्रचण्डमुण्डखण्डनीम् ।  
वने रणे प्रकाशिनीं भजामि विन्ध्यवासिनीम् ॥ १ ॥  
त्रिशूलमुण्डधारिणीं धराविघातहारिणीम् ।  
गृहे गृहे निवासिनीं भजामि विन्ध्यवासिनीम् ॥ २ ॥  
दरिद्रदुःखहारिणीं सतां विभूतिकारिणीम् ।  
वियोगशोकहारिणीं भजामि विन्ध्यवासिनीम् ॥ ३ ॥  
लसत्सुलोललोचनां लतासदेवरप्रदाम् ।  
कपालशूलधारिणीं भजामि विन्ध्यवासिनीम् ॥ ४ ॥  
करो मुदा गदाधरो शिवां शिवप्रदायिनीम् ।  
वरावराननां शुभां भजामि विन्ध्यवासिनीम् ॥ ५ ॥  
ऋषीन्द्रजामिनिप्रदां त्रिधास्यरूपधारिणीम् ।  
जले स्थले निवासिनीं भजामि विन्ध्यवासिनीम् ॥ ६ ॥  
विशिष्टसृष्टिकारिणीं विशालरूपधारिणीम् ।  
महोदरे विशालिनीं भजामि विन्ध्यवासिनीम् ॥ ७ ॥  
पुरन्दरादिसेवितां मुरादिवंशखण्डनीम् ।  
विशुद्धबुद्धिकारिणीं भजामि विन्ध्यवासिनीम् ॥ ८ ॥  
॥ इति विन्ध्येश्वरीस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by : Ravin Bhalekar ravibhalekar@hotmail.com

---

.. vindhyeshvarIstotram ..

Searchable pdf was typeset using generateactualtext feature of Xe<sub>La</sub>TeX 0.99996

on September 11, 2017

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

